B.A. Part-II Paper-III

01

सेतुबन्ध की गाथा

36. संखोहिअमहिवेढो तो सो कइसेण्णविलुलिअवणाहोओ।
खुहिअसमुद्दाहिमुहो महणारम्भम्मि मन्दरो विअ चलिओ॥

अर्थ = तदनन्तर कपिसेना से वन विस्तार वनप्रदेश आकुलित होने से पृथ्वी को संक्षुब्ध करते हुए राम क्षुब्ध समुद्र की ओर समुद्र-मंथन के प्रारंभ में धरती को संक्षुब्ध करते हुए प्रस्थित मन्दर पर्वत की तरह चल पड़े।

37. चलिअं च वाणरबलं चलिए तम्मि चलकेसरसड्डज्जोअं।
गहिअदिसापरिग्गहं मऊहजालं व दिणअरस्स फुरन्तं॥

अर्थ = राम के चलने पर चंचल शिर के बाल एवं श्मश्रु से युक्त एवं सम्पूर्ण दिशाओ को आक्रान्त व्याप्त करते हुए वानर बल सूर्य के स्फुरित किरण-समूह के समान प्रस्थाना किया

38. वेरारणिपज्जलिओ तो सो रोसपवणाहउद्धुअमुहलो।
वड्ढइ मग्गाणुगओ लंकावणराइवणदओ कइलोओ॥

अर्थ = उसके बाद लंका रूपी वन पंक्ति के लिए दावानल के समान तथा वैर रूपी अरणि यज्ञकाष्ठ जिसकी प्रज्वलित हो गयी है रोष रूपी पवन से आहत होने से उद्धत और मुखर वानर-समूह गमन मार्ग में अनुगत आगे-पीछे क्रम से चलते हुए होकर बढ़ने लगा।

39. वच्चइ अ चडुलकेसरसड्डज्जलालोअवाणरपरिक्खित्तो।
सव्वदिसाआअड्ढिअपलअपलित्तगिरिसंकुलो व्व समुद्दो॥

P.T.O.

Scanned with CamScanner

अर्थ = कपित सिर के बाल एवं श्मश्रू रोमों के उज्जवल प्रकाश से युक्त वानरो से घिरे हुए राम सभी दिशाओं से आकर्षित एवं प्रलयाग्नि से प्रदीप्त पर्वतों से घिरे हुए समुद्र के समान आ रहे हैं।

10. धोलन्ति णिम्मलाओ फुरन्तदिअसअरपाअडिअरूआओ ।
दाविअमग्गम्मि वि से हिअए सोअन्धआरिअम्मि दिसाओ ॥

अर्थ = मेघादि से रहित होने के कारण निर्मल एवं स्फुरित सूर्य के द्वारा स्पष्ट रूप से प्रकटित आकृति वाली दिशाएं वानरो के द्वारा मार्ग दिखाए जाने पर भी राम के शोकान्धकारित हृदय में भ्रमित हो रही है

11. आलोएइ अ विज्झं धणुसंठाणस्स साअरस्स भरसंह ।
सेंधिअणइसोत्तसरं अवहोआसघडिअं व जीआबन्धं ॥

अर्थ = तदनन्तर राम ने धनुषाकार सागर के भार को सहन करने वाले, धनुषाकार सागर के उभयपार्श्व में संघटित ज्या बन्ध के समान स्थित तथा बाण रूप नदियो के स्रोत से युक्त विन्ध्यर्य पर्वत को देखा।
समुद्र पर्वत और पर्वत पर बहने वाली नदियो तीनो मिलकर प्रत्यन्चायुक्त धनुष की आकृति को धारण करती है। चक्राकार समुद्र ही धनुष विन्ध्य पर्वत के दोनों पार्श्व में लगने वाली समुद्र की धारा डोरी (पतन्जी) तथा विन्ध्यपर्वत पर से समुद्र मे गिरनेवाली नदियों का प्रवाह ही बाण है।

Scanned with CamScanner